मैं तो सोये रही सपने में मेरे घर आए गोपाल

मैं तो सोये रही सपने में, मेरे घर आए गोपाल ।
मेरे घर आए गोपाल, मेरे घर आए गोपाल ॥

धीरे से आके वाने बंसी बजायी,
मधुर मुरलिया मेरे मन भाई ।
मैं तो सुन सुन हुई निहाल, मेरे घर आए गोपाल ॥
मैं तो सोये रही सपनों...

मोर मुकुट और जरी का दुशाला,
चंपा चमेली, गुलाबों की माला ।
मैं तो निरख-निरख बलिहार, मेरे घर आए गोपाल ॥
मैं तो सोये रही सपनों...

काँधे पड़ी थी वांके काली कमलिया,
तिरछे खड़े थे मोरे बांके साँवरिया ।
मोरे तन मन छायी बहार, मेरे घर आए गोपाल ॥
मैं तो सोये रही सपनों...

धीरे से आके वाने, मोको जगायो,
किरपा कर मोहे, कंठ लगायो ।
मेरे जग गए भाग सुहाग, मेरे घर आए गोपाल ॥
मैं तो सोये रही सपनों...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/990/title/main-to-soye-rahi-sapne-mein-mere-ghar-aaye-Gopal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |